



WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. Programme 5th Semester Examination, 2020, held in 2021

HINGDSE02T-HINDI (DSE1)

तुलसीदास

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 50

*The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.*

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5
- (क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार 'रामचरित मानस' की रचना कब हुई ?
- (ख) तुलसीदास कृत कृष्ण-काव्य कौन सा है ?
- (ग) तुलसीदास को 'बुद्धदेव के बाद सबसे बड़ा लोकनायक' किसने माना ?
- (घ) गोस्वामी तुलसीदास की अंतिम रचना का नाम लीखिए।
- (ङ) तुलसीदास की कौन-सी रचना 'कलि काल' से मुक्ति पाने हेतु लिखी गयी थी ?
2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15
- (क) ऐसी मूढता या मन की
परिहरि राम-भगति-सुरसरिता आस करत ओसकन की।
धूम समूह निरखि-चातक ज्यौ, तृषित जानि मति घन की।
नहीं तह सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।
ज्यों गज कांच बिलोकि सेन जड़ छाह अपने तन की।
टूटत अति आतुर बहार बस, छति बिसारी आनन की।
- (ख) बहुरि बदनु बिधु अंचल ढाँकी। पिय तन चितइ भौंह करि बाँकी।।
खंजन मंजु तिरछे नयनि। निज पति कहेउ तिन्हहि सियं सयननि।।
भई मुदित सब ग्रामबधूटीं। रंकन्ह राय रासि जनु लूटीं।।
अति सप्रेम सिय पाँय परि बहुबिधि देहिं असीस।
सदा सोहिगिनी होहु तुम्ह जब लगि महि अहि सीस।।

(ग) शून्य भीति पर चित्र, रंग नहि तनु बिनु लिखा चितेरे।

धोये मिटे न मरै भीति, दुख पाइय इति तनु हेरे।

रविकर नीर बसै अति दारुन, मकर रूप तेहि माहीं।

वदन हीन सो ग्रसै चराचर, पान करन जे जाहीं।

कोउ कह सत्य, झूठ कहे कोउ जुगल प्रबल कोउ मानै।

तुलसीदास परिहरै तीनि भ्रम, सो आपुन पहिचानै।

(घ) राजधरम सरबसु एतनोई। जिमि मन माहं मनोरथ गोई॥

बंधु प्रबोधु कीन्ह बहु भांति। बिनु आधार मन तोबु न सांती॥

भरत सील गुर सचिव समाजू। सकुच सनेह बिबस रघुराजू॥

प्रभु करि कृपा पांवरि दीन्हि। सादर भरत सीख धरि लीन्हि॥

लोग उचाटे अमरपति कुटिल कुअवसरु पाइ॥

(ङ) अबलौ नसानी, अब न नसैहों।

राम-कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिरी न डसैहों॥

पायेउं नाम चारु चिंतामनि, उर कर तें न खसैहों।

स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनहिं कसैहों॥

परबस जानि हंस्यो इन इंद्रिन, निज बस हवै न हंसैहें॥

मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति-पद कमल बसैहों॥

3. 'विनयपत्रिका' में व्यक्त तुलसीदास की भक्ति पद्धति की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'रामचरितमानस' के 'अयोध्या कांड' की विशेषताओं का आकलन कीजिए। 15

4. गोस्वामी तुलसीदास रामराज्य के माध्यम से कल्याणकारी— राज्य का आदर्श उपस्थित करते हैं — मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास के काव्य में मर्यादावाद का महत्व स्पष्ट कीजिए। 15

N.B. : Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.

—x—